PD-207

M.A. Hindi (SECOND SEMESTER)

Examination, June 2021

ADHINIK GADHYA SAHITYA (UPANYAS EVAM KAHANI)

Paper-III

Time: Three Hours] **[Maximum Marks: 80**

[Minimum Pass Marks: 29

नोट : दोनों खण्डों से निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित हैं।

Note : Answer from both the Sections as directed. The figures in the right-hand margin indicate marks.

खंड–अ

प्रश्न–1 निम्नलिखित में से किन्ही दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नों में उत्तर दीजिए:– **1x10=10**

(1) 'नावेल' लिए हिंदी शब्द लिखिए।
(2) उपन्यास के लिए मराठी में किस शब्द का प्रयोग किया जाता है ?
(3) 'परीक्षागुरू' के रचनाकार का नाम लिखिए।
(4) 'ठेठ हिंदी का ठाठ' किसने लिखा था ?
(5) हिंदी गद्य विधाओं के प्रारंभिक सूत्रपात किस वैदिक ग्रंथ में उपलब्ध हुए हैं ?
(6) हिंदी में उपन्यास शब्द किस अन्य भाषा से लिया गया है ?
(7) प्रसिद्ध ऐतिहासिक उपन्यास 'सोमनाथ' के लेखक का नाम लिखिए।
(8) धनपतराय श्रीवास्तव साहित्य के क्षेत्र में किस नाम से विख्यात हुए ?
(9) 'अश्क' का पूर्ण नाम लिखिए।
(10) 'सरस्वती' पत्रिका के संपादक का नाम लिखिए।
(11) युद्ध के दौरान लहनासिंह की मृत्यु किस देश में होती है ?
(12) पूस की रात कहानी में हल्कू को कर्ज प्रदान करने वाले महाजन का नाम लिखिए।
(13) गजाधर बाबू के सेवक का नाम क्या है ?
(14) लतिका नाम की पात्र का संबंध किस कहानी से है ?
(15) विरादरी बाहर कहानी के प्रमुख पात्र का नाम लिखिए।

प्रश्न–2 निम्नलिखित में से किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर संक्षेप में दीजिए:– **2x5=10**

(1) उपन्यास को पारिभाषित कीजिए।
(2) उपन्यास के प्रमुख तत्वों को स्पष्ट कीजिए।
(3) कहानी कला में शीर्षक के महत्व पर विचार कीजिए।
(4) हिंदी गद्य की प्रमुख विद्याओं के नाम लिखिए।
(5) पाठ्यक्रम में संकलित चार कहानियों के नाम लिखिए।
(6) अति संक्षेप में निर्मल वर्मा का परिचय दीजिए।
(7) हल्कू के व्यक्तित्व की चार विशेषताएं लिखिए।
(8) नई कहानी को पारिभाषित कीजिए।
(9) आंचलिकता से क्या आशय है ?
(10) अमृतसर बाजार से संबंधित कहानी का नाम लिखिए।

खण्ड–ब

प्रश्न–3 सप्रसंग व्याख्या कीजिए। 07

(क) मेरे जेहन में औरत वफा और त्याग की मूर्ति है, जो अपनी बेजुबानी से
कुर्बानी से अपने को बिल्कुल मिटाकर पति की आत्मा का एक अंश
बन जाती है। देह पुरूष की रहती है, पर आत्मा स्त्री की होती है। आप
कहेंगे, मर्द अपने को क्यों नही मिटाता ? औरत से ही क्यों इसकी
आशा करता है ? मर्द में वह सामर्थ्य नहीं है। वह अपने करे
मिटायेगा तो शून्य हो जाएगा, वह किसी खोह में जा बैठेगा और
सर्वात्मा में मिल जाने का स्वप्न देखेगा।

अथवा

जिसे तुम प्रेम कहती हो धोखा है, उद्दीप्त लालसा का विकृत्
रूप उसी तरह से है जैसे संन्यास केवल भीख मांगने का
संस्कृत रूप है। वह प्रेम अगर वैवाहिक जीवन में कम है, तो
मुक्त विलास में बिल्कुल नहीं है। सच्चा आनंद, सच्ची शांति
केवल सेवा व्रत में है। यही अधिकार का स्रोत है, वही
शक्ति का उद्गम है। सेवा ही वह सीमेंट है, जो दंपत्ति
को जीवन पर्यंत स्नेह और सहचर्य में जोड़े रह सकता
है, जिस पर बड़े–बड़े आघातों का कोई असर नहीं होता।

(ख) 'अमंगल यथार्थ अग्राह्य है, मंगल यथार्थ संग्रहणीय है' इस कथन के परिप्रेक्ष्य में गोदान उपन्यास के मूल संदेशों की विवेचना कीजिए। 08

प्रश्न–4 सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(क) क्या होगा मानव कल्याण करके ? मान लिया कि उसने कालाजार की 07
एक रामबाण औषधि का अनुसंधान कर लिया, अमृत की एक
छोटी शीशी उसे हाथ लग गई, किन्तु इसके बाद? इसके बाद जो
होता आया है, होगा। आखिर पाँच आने का एक एपुल पचास
रूपये तक बिकेगा, यहॉ तक उसकी पहुँच नहीं होगी ! ––––– और
यहॉ का आदमी जीकर करेगा क्या ? ऐसी जिंदगी? पशु से
भी सीधे हैं ये इंसान। पशु से भी ज्यादा खूंखार हैं ये –––
पेट! यही इनकी बड़ी कमजोरी है। मौजूदा सामाजिक न्याय
विधान ने इन्हें अपने सैकड़ो बाजूओं में जकड़कर ऐसा लाचार
कर रखा है कि ये यूं तक नहीं कर सकते –––– फिर भी ये जीना
चाहते हैं, वह इन्हें बचाना चाहता है। क्या होगा ?

अथवा

(ख) मैलाआंचल उपन्यास की आंचलिकता अथवा सामाजिक समस्याओं पर प्रकाश डालिए। 08

प्रश्न–5 सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(क) आजकल की जालमि माँ बाप पर खर्च के बोझ के सिवा और क्या है ? स्कूल की फीस हर महीने और किताबों, कापियों और नक्शों के लिए रूपये ही रूपये 07

अथवा

किसी बात में हस्तक्षेप न करने के निश्चय के बाद भी उनका अस्तित्व घर के
वातावरण का कोई भाग न बन सका। उनकी उपस्थिति उस घर में ऐसी
असंगत लगने लगी जैसे कि सजी हुई बैठक में उनकी चारपाई थी। उनकी
सारी खुशी एक गहरी उदासीनता में डूब गई।

अथवा

जीवन के सामंजस्य बनाये रखने वाले उपकरण तो अपनी सीमा निर्धारित
रखते हैं, परंतु उनकी आवश्यकता और कल्पना भावना के साथ
बढ़ती–घटती रहती है।

(ख) संसार की सर्वश्रेष्ट प्रेमकथा के रूप में 'उसने कहा था' कहानी में निहित उदात्त प्रेम का मौलिक विश्लेषण कीजिए। 08

अथवा

जीवन मूल्यों में परिवर्तन की दृष्टि से 'वापसी' कहानी की समीक्षा कीजिए।

प्रश्न–6 (क) अमृतलालनागर के औपन्यासिक रचना संसार पर प्रकाश डालिए। 07

अथवा

जैनेंद्र की उपन्यास कला की विशिष्टताओं को रेखांकित कीजिए।

(ख) यशपाल अथवा ममता कालिया के कथा साहित्य एवं भाववैविध्य पर प्रकाश डालिए। 08